जेवर एयरपोर्ट के लिए मिला 4458 करोड़ रुपये का निवेश

सीएम का सिंगापुर दौरा : एआई सैट्स अत्याधुनिक कार्गो कैंपस व एयर कैटरिंग किचन की करेगी स्थापना

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे पर प्रदेश सरकार ने एविएशन सर्विस सेक्टर की अग्रणी कंपनी एआई सैट्स के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते के तहत कंपनी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) पर दो प्रमुख परियोजनाएं अत्याधुनिक कार्गो कैंपस और विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचन स्थापित करेगी। दोनों परियोजनाओं पर कुल 4458 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

एमओयू के अनुसार, जेवर एयरपोर्ट परिसर में विकसित होने वाला कार्गो कैंपस उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे उत्तर भारत के लिए एयर फ्रेट और लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे निर्यात-आयात गतिविधियों को गति मिलेगी, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और कृषि उत्पाद क्षेत्रों को बड़ा लाभ होने की उम्मीद है। जेवर एयरपोर्ट को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ विकसित किया जा रहा है, जिससे यह कार्गो कैंपस अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतिक हब के रूप में उभरेगा।

सिंगापुर में एमओयू के दौरान सीएम योगी और कंपनी के प्रतिनिधि। -सूचना विभाग

सप्लाई चेन नेटवर्क को मिलेगी मजबूती

दूसरी परियोजना के तहत एयरपोर्ट परिसर में अत्याधुनिक एयर कैटरिंग किचन स्थापित किया जाएगा। वहां तैयार भोजन जेवर एयरपोर्ट से संचालित उड़ानों के अलावा उत्तर भारत के अन्य हवाई अड्डों को भी सप्लाई किया जाएगा। इससे क्षेत्र में फूड प्रोसेसिंग उद्योग और सप्लाई चेन नेटवर्क को मजबूती मिलेगी।

तकनीकी सहयोग के लिए एससीई से समझौता

इसके अतिरिक्त, सिंगापुर सरकार के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था सिंगापुर कोऑपरेशन इंटरप्राइज (एससीई) के साथ भी एक अलग एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत दोनों पक्ष विषयगत ज्ञान के आदान-प्रदान, तकनीकी सहयोग और परामर्श सेवाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश में सतत आर्थिक विकास, औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और आधुनिक अवसंरचना के विकास को गति देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे। समझौते के अनुसार, दोनों पक्ष स्टडी विजिट, लीडरशिप डेलिगेशन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। साथ ही, तकनीकी परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार कर उन्हें लागू करने तथा सरकारी और निजी क्षेत्र की संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी काम किया जाएगा। बताया गया है कि अगले दो महीनों में विस्तृत परियोजना समझौतों पर वार्ता शुरू होगी और छह महीने के भीतर उन्हें अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा गया है।

उत्तर प्रदेश में निवेश पूरी तरह सुरक्षित : योगी

इन्वेस्ट यूपी मेगा रोड शो में सीएम ने निवेशकों को दिया भरोसा

लखनऊ। सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन इन्वेस्ट यूपी मेगा रोड शो में योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के ट्रिपल एस (सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड) मॉडल को निवेश की सबसे बड़ी गारंटी बताया। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल संभावनाओं का प्रदेश नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस की जमीन बन चुका है। पिछले नौ वर्षों में राज्य ने सुरक्षा का वातावरण देने के साथ स्केल, स्किल और स्पीड का प्रभावी संयोजन स्थापित किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले तीन-चार वर्षों में उत्तर प्रदेश दस खरब डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में निर्णायक छलांग लगाएगा। सिंगापुर के उद्योग जगत को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश पूरी तरह सुरक्षित है। ब्यूरो

जेवर के पास सिंगापुर सिटी का प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास सिंगापुर सिटी विकसित करने की योजना प्रस्तुत की है। यदि सिंगापुर के निवेशक एनसीआर क्षेत्र में आना चाहते हैं तो उनके लिए एक विशेष रूप से नियोजित सिंगापुर सिटी की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन में जीआईसी, टेमासेक, सैट्स, जीएसएस ग्रीन्स और ब्लैकस्टोन के चेयरमैन और सीईओ से चर्चा करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगापुर का हर इंडस्ट्री लीडर आज ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में उत्तर प्रदेश को समझ रहा है।

- मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों की अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ एमओयू का आदान-प्रदान किया। ब्लू प्लैनेट के साथ इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट जबकि एसी एविएशन के साथ एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहालिंग) और हेलिकॉप्टर पार्ट्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एमओयू किया गया। गायत्री चेन एफएनबी एंड एसोसिएट्स के साथ कैटरिंग व आतिथ्य क्षेत्र में निवेश, केएलके वेंचर्स के साथ सोलर पैनल निर्माण इकाई की स्थापना और इस्तारा ज्वेलरी एंड माइस्त्रो प्रोडक्शंस के साथ ज्वेलरी और क्रिएटिव/मीडिया प्रोडक्शन सेक्टर में निवेश को लेकर एमओयू किया गया।

सैट्स के सीईओ बोले, विदेशी निवेश के लिए प्रतिबद्ध योगी आदित्यनाथ

सिंगापुर की एयरपोर्ट ग्राउंड हैंडलिंग क्षेत्र की कंपनी सैट्स के सीईओ (एशिया-पैसिफिक) बॉब ची ने कहा कि सीएम योगी का सैट्स के कार्गो हब का दौरा करना उनकी विदेशी निवेश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जाहिर करता है। हम उत्तर प्रदेश की विकास संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं। बीते एक दशक में उत्तर प्रदेश का एयर कार्गो वॉल्यूम लगभग पांच गुना बढ़ा है, जो लगातार दो अंकों की सालाना वृद्धि दर को दर्शाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश भारत की आर्थिक शक्ति का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है।